

फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी, जैतारण (पाली)

संवरलाल बनाम हनुमान गोरे

किस्म मुकदमा राजस्व वाद नं. 210 / सन् 2017

रीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तारीख में जारी हुए
117	<p>वकील वादी उपस्थित।</p> <p>वकील वादी ने एक राजस्व वाद पत्र विरुद्ध प्रतिवादीगण अन्तर्गत धारा <u>80, 92, 12</u> RT Act के तहत पेश किया है। प्रार्थना पत्र धारा 80 (2) सीपीसी का भी पेश किया। जो शामिल मिसल हो। हरब प्रार्थना पत्र प्रतिवादीगण संख्या <u>11</u> के विरुद्ध वाद पेश करने की अनुमति प्रदान की जाती है। राजस्व वाद दर्ज रजिस्टर किया जावे। प्रतिवादीगण को जरिये सम्मनस तलब किये जावे। पत्रावली आयन्दा दिनांक <u>15/11/18</u> को पेश हो।</p> <p><i>[Signature]</i> SBO</p>	<p><u>1264</u> <u>24/11/18</u></p>
15 ⁰¹ /18	<p>वकील वादी उपस्थित।</p> <p>प्रतिवादी 5 की कोर्ट में वकील <u>जुनिल जगजरी, गोरे</u> बौण्ड, अविनाथ जगजरी एवं जगजरी गीररी जगजरी वमलत नाम जेश सिद्ध, एवं प्रतिवादी 1 निप की कोर्ट में वमलत नाम जेश करने का पत्र लिख है।</p> <p>साचकि है। प्रतिवादी 6, 7, 9, 10, 12 की पुनः तलबी का तलबाव जेश करे। तलबाव आगरी जरीर जेशी पूरे जेश करे। पत्रावली आयन्दा दिनांक <u>13/3/18</u> को पेश हो।</p> <p><i>[Signature]</i> SBO</p>	<p><u>29</u> <u>13/11/18</u></p>
13 ³ /18	<p>पत्रावली जेश है।</p> <p>वकील मठ वादी को बार बार आगरी दिलाई गई। वकील मठ वादी निक कोर्ट (पुनः) इतिहास के आठ अनुः रहे है। वकील मठ वादी आठ निक कोर्ट इतिहास पुनः के अनुः रहते है। गरी मठ वादी जरीर अदन जेशी। अदन हाजरी में रगरीर सिद्ध जेश है। पत्रावली आयन्दा दिनांक <u>13/3/18</u> को पेश हो।</p> <p>वकील मठ वादी को बार बार आगरी दिलाई गई। वकील मठ वादी निक कोर्ट (पुनः) इतिहास के आठ अनुः रहे है। वकील मठ वादी आठ निक कोर्ट इतिहास पुनः के अनुः रहते है। गरी मठ वादी जरीर अदन जेशी। अदन हाजरी में रगरीर सिद्ध जेश है। पत्रावली आयन्दा दिनांक <u>13/3/18</u> को पेश हो।</p> <p><i>[Signature]</i> SBO</p>	